तापमान
अधिकतम 32.3 डिग्री
न्यूनतम 8.6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

12 समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने का दिया संदेश

12 नेशनल लोक अदालत में 14331 केसों का निपटारा

खबर संक्षेप

22.35 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए श्री पुलिस टीम ने सेक्टर 13/17 में हेलीपैड के पास नशा तस्करी के आरोप में आर्यन पुत्र संजीव निवासी ओल्ड जगन्नाथ विहार, पानीपत को 22.35 ग्राम हेरोइन के साथ पकडा है। सीआईए श्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर 13/17 में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है।

अवैध असला सप्लाई करने का आरोपी काबू

पानीपत। सीआईए श्री पुलिस टीम ने अवैध असला सप्लाई करने के आरोपी राम गोपाल निवासी गांव शेखपुरा जिला सोनीपत को गिरफ्तार किया है। राम गोपाल ने जसबीर उर्फ पपू निवासी गांव रिसालू को अवैध देसी पिस्टल 50 हजार रूपए में बेचा था। इस मामले में थाना चांदनी बाग में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज है।

राहगीरों से लूटपाट के तीन आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस की टीम ने राहगिरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाले गिरोह के एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को पूछताछ के लिए शुक्रवार को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आई। नाबालिग आरोपी मधबुन बाल सुधार गृह व आरोपी सागर निवासी विकास नगर व दीपक निवासी सिवाह पानीपत जेल में बंद थे। आरोपियों पर थाना औद्योगिक सेक्टर 29 में विजयेता की शिकायत पर केस दर्ज है।

वाहन की चपेट में आने से गनमैन की मौत

समालखा। जीटी रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से रामनिवास गांव चुलकाना की मौत हो गई। वहीं रामनिवास, गन्नौर स्थित बैंक में सुरक्षा कर्मचारी था और ड्यूटी खत्म कर वापस अपने गांव लौट रहा था। इधर, थाना समालखा पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद रामनिवास का शव उसके परिजनों को सौंप दिया और अज्ञात वाहन चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुल से रेलवे लाइन पर गिरकर छात्र घायल

पानीपत। पानीपत में पुल से रेलवे लाइन पर गिरने से बीस वर्षीय उदय निवासी तहसील कैंप, पानीपत गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगिरों ने उदय को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां प्राथमिक उपचार देने के बाद चिकित्सकों ने उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। इधर, जीआरपी ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

चाकू दिखा कर युवक से छीनी नकदी व आई फोन

यमुनानगर। गांव परवालो निवासी रोहित कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रात पौने आठ बजे बाइक पर यमुनानगर से घर लौट रहा था। जब वह गधौली दड़वा मोड टी प्वाइंट के पास पहुंचा तो बदमाशों ने उसे रोक लिया। इस दौरान आरोपियों ने चाकू निकालकर उसकी पेंट की जेब से पांच हजार रुपये व आई फोन छीन लिया। इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। उसने घटना की सूचना परिजनों व पुलिस को दी।

ज्वैलर्स की दुकान पर लूटी सोने की अंगूठी

यमुनानगर। छछरौली निवासी सोमेश गर्ग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मांडखेडी रोड अग्रसेन कॉम्पलेक्स में ज्वैलर्स की दुकान है। वह रात साढ़े सात बजे दुकान पर काम कर रहा था। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपियों ने आते ही उसे हथियार दिखाया। जिससे वह डर गया। इसके बाद आरोपी उसके पास से छह ग्राम सोने की अंगूठी लूटकर फरार हो गए।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा उत्सव में आर्य कॉलेज तृतीय

हरियाणवी फॉक ऑर्केस्ट्रा, स्किट व मिमिक्री में प्रथम

- हरियाणवी समूह नृत्य व वन-ऐक्ट प्ले में द्वितीय रहे दूसरा स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज के होनहार कलाकारों ने ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में धूम मचा दी है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित युवा महोत्सव में आर्य पीजी कॉलेज विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए हरियाणवी फॉक ऑर्केस्ट्रा, स्किट व मिमिक्री में प्रथम स्थान, हरियाणवी समूह नृत्य व वन-ऐक्ट प्ले में दूसरा स्थान व थिएटर में भी ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया इसके साथ ही महाविद्यालय की टीम ने सांस्कृतिक प्रोशेसन में दूसरा स्थान हासिल किया। ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में देश भर से लगभग 130 विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया जिसमे की आर्य पीजी कॉलेज ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए ओवरऑल तीसरा स्थान हासिल कर एक नया खिताब हासिल किया।

पानीपत। आर्य कॉलेज के विजेता विद्यार्थी अतिथियों के साथ।

कॉलेज में पहुंचने पर टीम का किया स्वागत

शनिवार को सुबह महाविद्यालय प्रांगण में पहुंचने पर विजेताओं का जोरदार स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने टीम के साथ गए सभी प्राध्यापकों, निर्देशकों व प्रतिभागियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और जीत की बधाई भी दी। महाविद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान सुरेंद्र शिंगला, महासचिव सीए कमल किशोर और कोषाध्यक्ष पीयूष आर्य समेत सभी पदाधिकारियों ने प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता व सभी स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को जीत की बधाई दी।

डॉ. जगदीश गुप्ता ने इस जीत का श्रेय महाविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निर्देशक डॉ. रामनिवास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की इंचार्ज मीनाक्षी चौधरी, डॉ. विजय सिंह, नीलू खालसा व सभी स्टाफ सदस्यों के कुशल मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत को दिया। प्रबंधक समिति के प्रधान सुरेंद्र शिंगला ने कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी शैक्षणिक, सांस्कृतिक व खेलकूद के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इन सफलताओं का श्रेय प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता के कुशल नेतृत्व व स्टाफ सदस्यों की कड़ी मेहनत को जाता है। वहीं, प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने बताया कि आर्य पीजी कॉलेज की टीम ने एसडी कॉलेज पानीपत में जोनल यूथ फेस्टिवल में ओवरऑल ट्रॉफी हासिल करने के बाद इंटर-जोनल में भी ओवरऑल ट्रॉफी जीती और अब ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भी जीत का परचम लहराया।

28 छात्र रहे शामिल

प्राचार्य डॉ. गुप्ता ने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम के 32 विद्यार्थियों में से 28 विद्यार्थी आर्य पीजी कॉलेज के थे और साथ ही राष्ट्रीय युवा महोत्सव में देश भर से लगभग 130 विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया जिसमें कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने ओवरऑल तीसरे स्थान पर रहकर एक नया खिताब हासिल किया।

चचेरे भाइयों ने किया आठ वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म

- बच्ची की काउंसलिंग की गई तो हुआ मामले का खुलासा
- पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

यमुनानगर में आठ वर्षीय बच्ची के साथ उसके चाचा के लड़के व बुआ के दो लड़कों द्वारा गलत काम करने का मामला सामने आया है। बच्ची के पिता के प्रार्थना पत्र के बाद बच्ची जब दाखिला के लिए बालकुंज छछरौली पहुंची तो वहां पर उसकी काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के दौरान बच्ची ने अपने चाचा व बुआ के दो लड़कों पर उसके साथ गलत काम करने की जानकारी दी। अब बच्ची के पेट में भी दर्द रहता है।

पुलिस ने वेलफेयर कमेटी की अध्यक्ष नीरा जैन की शिकायत पर तीन आरोपी युवकों के खिलाफ छह पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया। शिकायत में बताया कि जगाधरी वर्कशॉप रोड स्थित रहने वाले एक व्यक्ति ने तीन मार्च को जिला बाल संरक्षण अधिकारी को उसकी आठ वर्षीय बच्ची का दाखिला बालकुंज में करवाने के बारे में प्रार्थना पत्र दिया था। इसके बाद बच्ची को बालकुंज भेज दिया गया। चार मार्च को बालिका बाल गृह छछरौली की अध्यक्षता द्वारा बच्ची का संपूर्ण मेडिकल करवाने बारे बाल कल्याण समिति को पत्र भेजा।

पिता को जानकारी देने पर भी नहीं दिया ध्यान

इस दौरान बालकुंज में काउंसलर कोमल शर्मा द्वारा बच्ची की काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग में बच्ची ने बताया कि उसके चाचा के लड़के गुरसिमरन तथा बुआ के लड़के गुरमीत सिंह व कुरमन सिंह ने उसके साथ गलत काम किया है। उसने घटना के बारे अपने पिता और बुआ को भी बताया था मगर उन्होंने भी इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। अब उसके पेट में दर्द रहता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए काउंसलर कोमल शर्मा ने बच्ची का मेडिकल करवाने बारे लिखा और इसकी सूचना वेलफेयर कमेटी की अध्यक्ष को दी गई।

वेलफेयर कमेटी की अध्यक्ष नीरा जैन ने इसकी सूचना महिला पुलिस थाने में दी।पुलिस ने वेलफेयर कमेटी की अध्यक्ष की शिकायत पर आरोपी गुर सिमरन, गुरमीत सिंह व कुरमन सिंह के खिलाफ छह पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

अनाजमंडियों के अस्तित्व पर खतरा : रतन

- केंद्र सरकार की कृषि विपणन बाजार नीति पर विरोध जताया
- भाकियू की बैठक में किसानों की समस्याओं पर विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ▸▸| इंद्री

भारतीय किसान यूनियन की बैठक किसान भवन इंद्री में हलका प्रधान दिलावर सिंह की अध्यक्षता में हुई । बैठक में मुख्य रूप से भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रतन मान ने शिरकत करते हुए किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया और अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा मंडियों का अस्तित्व खत्म करने की है। केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई कृषि विपणन बाजार नीति उन्ही तीन कानूनों का प्रारूप है जिनका किसानों ने भारी विरोध किया था और सरकार को ये कानून वापस लेने पड़े थे। यदि कृषि विपणन बाजार नीति लागू हो गई तो मंडियां खत्म हो जाएगी और फसलों की खरीद पूरी तरह से कॉर्पोरेट के हाथों में चली जाएगी । यदि मंडी खत्म हो गई तो किसान बर्बाद हो जाएगा। कृषि विपणन नीति लागू हुई तो किसानों को अपनी फसल को कॉरपोरेट खरीदारों के पास लेकर जाना पड़ेगा और कंपनियां फसल का भाव तय करेगी जिससे किसानों को फसल के पूरे दाम नही मिलेंगे ।

इंद्री। किसान भवन मे सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते भाकियू नेता व किसान।

11 को देंगे ज्ञापन

इस नीति के विरोध में 11 मार्च को हरियाणा के सभी जिलों मे जिला उपायुक्त को मुख्यमंत्री का नाम का ज्ञापन सौंपा जाएगा। किसान करनाल मे पुरानी कचहरी के पास इकट्ठा होकर प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय मे पहुंचकर उपायुक्त को ज्ञापन देकर इस नीति को वापस लेने की मांग करेंगे । भादसों शुगर मिल ने किसानो की बकाया पेमेंट नहीं दी तो वह कोई बड़ा आंदोलन छेड़ने पर मजबूर होंगे ।

ट्रामाडोल के 2352 कैप्सूल समेत दो नशा तस्कर काबू

- जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल को मिली सफलता
- आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने अलग-अलग दो स्थानों से दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से प्रतिबंधित दवाई ट्रामाडोल के 2352 कैप्सूल बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश कर कार्रवाई शुरु कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एंटी नारकोटिक सेल की टीम में तैनात एएसआई प्रवीन कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बिलासपुर क्षेत्र में टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान उसे सूचना मिली थी कि गांव बिहटा के पास एक युवक प्रतिबंधित दवाईयों के साथ घूम रहा है। आरोपी प्रतिबंधित दवाईयां बेचने की फिराक में है। सूचना मिलते ही उसने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 48 स्ट्रीप बरामद हुई। जिसमें प्रतिबंधित दवाई ट्रामाडोल के 1152 कैप्सूल थे। सरकार द्वारा इन कैप्सूल पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के जिला सहारनुपर के गांव सतपुरा निवासी रवि कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

यमुनानगर। नारकोटिक सेल की टीम द्वारा प्रतिबंधित कैप्सूल के साथ पकड़े गए आरोपी युवक।

सूचना पर कार्रवाई

उधर, सेल के इंचार्ज जसविंद्र सिंह ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि छछरौली रोड पर एक युवक प्रतिबंधित दवाईयों के साथ घूम रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने टीम का गठन किया। टीम ने मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से प्रतिबंधित दवाई ट्रामाडोल के 1200 कैप्सूल बरामद हुए। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान आंव अराइयावाला निवासी वीरभान के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया।

दंपत्ति पर तेजधार हथियार से हमला कर किया घायल

हमले के आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज

- आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

गांव बाक्करवाला में कहासुनी होने पर पिता-पुत्र ने दंपत्ति पर तेजधार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल दंपत्ति का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव बाक्करवाला निवासी सतवंत सिंह ने प्रतापनगर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले गांव के ही प्रदीप कुमार के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया। मगर उसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगा। सतवंत सिंह ने बताया कि पांच मार्च को शाम सात बजे वह किसी काम से जा रहा था।

इस दौरान प्रदीप ने ने उसे रास्ते में रोक लिया और उसके साथ बहस करने लगा। बहस बढ़ने पर आरोपी ने अपने बेटे जशन सिंह के साथ उस पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। जब उसकी पत्नी कोमल उसे छुडवाने के लिए आई तो आरोपियों ने उस पर भी हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

लोगों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सीटू कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

- महिलाओं और स्कीम वर्कर्स की मांगें पूरी करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

सीटू से संबंधित सभी यूनियनों ने सीटू के राष्ट्रीय आह्वान पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ताज पार्क कुरुक्षेत्र में मनाते हुए बीडीओपी थानेसर के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम, महिलाओं और स्कीम वर्कर की मांगों का ज्ञापन सौंपा।

धरने की अध्यक्षता सीटू जिला प्रधान रानी देवी ने की व संचालन आशा वर्कर यूनियन जिला उपप्रधान मनजीत ने किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करने वालों में संदीप नरवाल, बलजीत कुंडु, सुरेश गुढ़ा,मास्टर दयानंद, महावीर प्रसाद दहिया, राजविंदर सिंह चन्दी, अनिल कुमार प्रोग्राम में शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम में वक्ताओं ने रखे विचार

लैंगिक असमानता में तेजी से प्रगति की जरूरत

- हिंसा का मुकाबला करने जैसे क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई हो

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के डॉ. डी. सुंदरसेन सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्थान के निदेशक एवं कुलपति डॉ. धीर सिंह ने कहा कि 2025 का विषय "सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार। समानता व सशक्तीकरण" सार्वभौमिक अधिकारों और अवसरों के महत्व पर जोर देता है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक महिला और लड़की अधिक न्यायसंगत भविष्य में योगदान दे सकें।" यह लैंगिक समानता में तेजी से प्रगति की आवश्यकता को रेखांकित करता है। दशकों के प्रयासों के बावजूद, कुछ स्थानों पर लैंगिक असमानता बनी हुई है, जिससे आर्थिक भागीदारी और हिंसा का मुकाबला करने जैसे क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। विषय एक अंतरविषयक दृष्टिकोण की वकालत करता है, यह मानते हुए कि असमानता महिलाओं को नस्ल और सामाजिक-आर्थिक स्थिति जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग तरीके से प्रभावित करती है । यह एनडीआरआई के लिए बहुत बड़ी बात है कि इस संस्थान में 50% से अधिक छात्राएं पढ़ रही हैं और एनडीआरआई में आयोजित पिछले 20वें दीक्षांत समारोह में 6 पदक छात्राओं ने जीते। उन्होंने कहा कि हमारा संस्थान (जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस) का भी हिस्सा था, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए एक नया हस्तक्षेप कार्यक्रम है।

संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. ए.के.सिंह और संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. राजन शर्मा ने कहा कि यह दिन हमें महिलाओं द्वारा समाज में दिए गए योगदान और उनके सामने आने वाली चुनौतियों की याद दिलाता है। कार्यक्रम में भारतीय कृषि प्रणाली की महिला प्रतीक पर छात्रों द्वारा तैयार किए गए लघु वीडियो भी दिखाए गए। स्वयं सहायता समूहों, बाल शिक्षा और ड्रोन दीदी के नेतृत्व में डेयरी महिलाओं के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं पर संक्षिप्त कहानियां प्रदर्शित की गईं। एनडीआरआई, करनाल के छात्रों द्वारा तैयार की गई /"एसेंस ऑफ शी/" नामक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मजबूत कानूनी ढांचा

हरियाणा राज्य विधि आयोग, पंचकूला की सदस्य डॉ. सारिका गुप्ता मुख्य अतिथि थीं। डॉ. सारिका ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सरोजिनी नायडू की भूमिका की सराहना की और कहा कि भारत में, राष्ट्रीय महिला दिवस, 13 फरवरी को प्रतिवर्ष मनाया जाता है और सरोजिनी नायडू की जयंती मनाई जाती है। डॉ. सारिका ने कहा कि हमारे देश में, महिलाओं के अधिकारों को एक मजबूत कानूनी ढांचे द्वारा सुरक्षित किया जाता है जिसमें संवैधानिक प्रावधान और विशिष्ट कानून शामिल हैं।

हत्या के आरोपी को उम्रकैद और जुर्माना

- खेत की जमीन को लेकर किया था पीड़ित व परिजनों पर हमला
- हमले में घायल महिला की अस्पताल में हो गई थी मौत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

जिला कुरुक्षेत्र की अतिरिक्त सैशन न्यायाधीश की अदालत ने हत्या करने के आरोपी को उम्रकैद व जुर्माने की सजा सुनाई है। जानकारी देते हुए प्रदीप मलिक ने बताया कि 23 मई 2020 को थाना सदर थानेसर पुलिस को दी अपनी शिकायत में हरजीत सिंह वासी बीड पीपली ने बताया कि उसकी पीपली मंडी में आढ़तकी दुकान है।

उसका जसविन्द्र सिंह के साथ खेत जमीन को लेकर झगड़ा चल रहा है। 23 मई को वह दुकान बन्द करके घर पहुंचा तो जसविन्द्र सिंह व उसके साथी उनके घर पर लाठी डंडे, लोहे की बारी लेकर उसके घर पर आ गये। और उनके साथ गाली गलौच करने लगे जब उन्होंने उनका विरोध किया तो उन सबने उसके व उसके घर वालों के ऊपर हमला कर दिया। उनका शौर सुनकर आस-पास के पड़ोसियों ने आकर उनका बीचबचाव करवाया। लड़ाई में उसकी माता को काफी चोटे आई जिसके वजह से उनको सरकारी अस्पताल मे दाखिल करवाया। चोट ज्यादा लगने के कारण डाक्टरों ने एलएनजेपी अस्पताल रैफर कर दिया जहां पर ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। मामले की नियमित सुनवाई करते हुए अतिरिक्त सैशन न्यायाधीश की अदालत ने सजा सुनाई है।

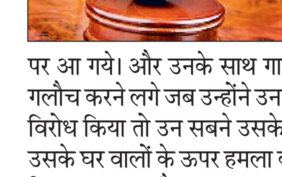

खबर संक्षेप

प्रदेश में बढ़ेंगी औषधीय पौधों की खेतीः सुरेश

करनाल। स्वास्थ्य लाभ ओर आर्थिक समृद्धि के लिए अश्वगंधा की खेती के प्रति अनुसूचित जाति की जागरूकता के लिए महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल में अश्वगंधा के औषधीय गुणों तथा इसकी खेती के फायदों को लेकर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शनिवार को शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर नेशनल मेडिसनली प्लांट बोर्ड आयुष मंत्रालय नई दिल्ली के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ महेश ने विशेष तौर पर शिरकत की।

एआई से अंग्रेजी भाषा का आकलन कीजिए

करनाल। पढ़ाई में सफलता के लिए सुविधा और लचीलापन ज़रूरी है, इस बात को समझते हुए ऑक्सफोर्ड ईएलएलटीडिजिटल तरीके से अंग्रेजी भाषा की दक्षता जांचने के तरीके में बदलाव ला रहा है। इससे दुनिया भर के छात्रों को मदद मिलेगी। पढ़ने, सुनने, लिखने और बोलने के कौशल का आसानी से आकलन करने के लिए, ऑक्सफोर्ड ईएलएलटीदो तरह के टेस्ट देता हैः ऑक्सफोर्ड ईएलएलटीडिजिटल, जिससे छात्र घर बैठे टेस्ट दे सकते हैं, और ऑक्सफोर्ड ईएलएलटीग्लोबल, जो एक तय जगह पर, निगरानी में होता है, उन छात्रों के लिए जिन्हें शांत और बिना रुकावट वाला माहौल चाहिए।

अवैध खनन में लिप्त दो ट्राली, ट्रैक्टर व ट्रक जब्त

करनाल। जिला के खनन अधिकारी निरंजन लाल के अनुसार अवैध खनन/परिवहन में लिप्त तीन वाहनों को जब्त किया गया है। श्री लाल के अनुसार खनन व भू विज्ञान विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग तथा उपायुक्त उत्तम सिंह के निर्देशानुसार जिला में अवैध खनन करने वालों के खिलाफ मुहिम जारी है। उन्होंने बताया कि गत दिवस सदरपुर क्षेत्र में अवैध रेत से भरी दो ट्राली व एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया।

महिला दिवस मनाया पर कार्यक्रम कर आयोजन

करनाल। फव्वारा पार्क योग कक्षा सेक्टर बारह में मेरा मिशन स्वस्थ भारत के अंतर्गत योग शिक्षक दिनेश गुलाटी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण दिवस मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर योग कक्षा में महिला शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया, जो इस मिशन में लगातार सहयोग करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने मिशन की प्रमुख और सह प्रमुख नीलम बटला और निधि गुप्ता को मिशन के प्रति उनके योगदान लिए शुभकामनाएं दी। महिलाओं के प्रति सम्मान और प्रशंसा को प्रकट करते हुए उनकी सम्मानित करने के उपलक्ष में मनाया गया।

डीएवी कॉलेज में स्वर्ण जयंती वर्ष पर दीक्षांत समारोह व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

सुनहरे भविष्य के लिए बेहतर शिक्षा ग्रहण करना जरूरी : डॉ यशपाल

मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ आईएएस डॉ यशपाल यादव रहे उपस्थित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

डीएवी पीजी कॉलेज के स्वर्ण जयंती वर्ष पर दीक्षांत समारोह व वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ यशपाल यादव ,उप प्रधान सचिव मुख्यमंत्री हरियाणा को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएवी पीजी कॉलेज प्रबंधन समिति के उप-प्रदान रमेश वर्मा ने की। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्य अतिथि का कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर रामपाल सैनी, रमेश वर्मा, कार्यक्रम के संयोजक संजय शर्मा, सह-संयोजक डॉ पूनम वर्मा, डॉ प्रतिभा व अन्य स्टाफ सदस्यों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत रूप से मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर के की गई। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रामपाल सैनी ने कॉलेज की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल, एनएसएस, एनसीसी के अतिरिक्त विभिन्न उपलब्धियों को संक्षिप्त ब्योरा प्रस्तुत कर भविष्य की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कॉलेज के समग्र विकास के लिए क्या -क्या नए कदम उठाए जाएंगे और क्या योजनाएं बनाई जाएगी इसकी रुपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ यशपाल यादव आईएएस ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी देश के निर्माता हैं। जो निर्माण की प्रक्रिया को देश के लिए आगे बढ़ाने का काम करेंगे, देश को आगे ले जाने के लिए विद्यार्थियों के नेतृत्व की आवश्यकता है। क्योंकि उनकी भूमिका राष्ट्र निर्माण की है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की प्रतिभा और खूबियां उसको सफलता के शिखर तक लेकर जाती है। आत्म विश्वास की शक्ति व्यक्ति को बल देती है। शिक्षा से ही व्यक्ति का भविष्य संवरता है। लेकिन लक्ष्य हासिल करने के लिए दृढ़ निश्चय होना चाहिए। हमारे अंदर हुनर होना चाहिए। इसके लिए हमें व्यवस्था को दोष नहीं देना चाहिए। कॉलेज प्रबंधन समिति के उप-प्रदान रमेश वर्मा ने कॉलेज की उपलब्धियों की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। कॉलेज के स्वर्ण जयंती वर्ष पर आयोजित दीक्षांत एवं पुरस्कार वितरण समारोह में पारितोषिक वितरण कार्यक्रम में शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल, एनएसएस, एनसीसी,व अन्य उपलब्धियों के लिए 70 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य व अन्य सभी ने मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ पुनम वर्मा, डा प्रतिभा,डॉ राधिका, दीपिका कथूरिया द्वारा किया गया। इस मौके पर राजकीय महिला कॉलेज दादुपुर की प्राचार्या डॉ अनीता, राजकीय महिला कॉलेज करनाल के प्राचार्य डॉ सुभाष शर्मा, डॉ दीपक शर्मा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल नरुखेडी.के प्रधानाचार्य सुरेश सैनी, कॉलेज का स्टाफ व अन्य गणमान्य मौजूद थे।

150 को मिली स्नातक-स्नातकोत्तर की डिग्री

दीक्षांत समारोह में 150 से अधिक डिग्री होल्डर्स ने मुख्य अतिथि के कर कमलों से डिग्रियां हासिल की जिनमे 100 से अधिक स्नातक व लगभग 50 को स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की गई । महिला दिवस के अवसर को ध्यान रखते हुए मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य द्वारा कॉलेज की गैर शिक्षक महिला कर्मचारीयों को प्रोत्साहित करते हुए उपहार देकर सम्मानित किया गया।

जहां नारी का सम्मान, वहां देवताओं का वासः विधायक

- महिला दिवस पर असंध के जीवन चानन महिला विद्यालय में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज असंध के जीवन चानन महिला विद्यालय में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर असंध विधायक योगेन्द्र राणा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस मौके पर अपने सम्बोधन में विधायक योगेन्द्र राणा ने बताया महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने एवं उन्हें सम्मान देने के लिए हर वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस का आयोजन किया जाता है। इस दिन को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को याद कर लोगों तक पहुंचाना तथा लैंगिक समानता और महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना है। इस मौके पर डायरेक्टर रमेश बत्रा एवं प्रिंसिपल रेखा शर्मा ने विधायक योगेन्द्र राणा को सम्मानित किया। कार्यक्रम में असंध मंडल अध्यक्ष हिमांशु छाबडा, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम अवतार जिंदल, पूर्व चेयरमैन दीपक छाबडा, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. बूटी राम, मास्टर ऋषिपाल राणा, सज्जन अत्री, अजय राणा, नरेश जयसिंहपुरा, सहित कॉलेज स्टाफ व अभिभावकगण मौजूद रहे।

आंगनबाड़ीऔर आशा वर्कर्स ने मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

एसडीओ के माध्यम से पीएम-सीएम को भेजा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

सीटू से संबंधित सभी यूनियनों, आंगनवाड़ी, आशा, मिड डे मील, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन, महिला समिति, दलित अधिकार मंच व रिटायर कर्मचारी संघ ने सीटू के राष्ट्रीय आह्वान पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस फव्वारा पार्क करनाल में मनाते हुए एसडीओ के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम, महिलाओं, और स्कीम वर्कर की मांगों का ज्ञापन केंद्र और राज्य सरकार के नाम दिया है। धरने की अध्यक्षता सीटू जिला प्रधान सतपाल सैनी, बलराज, सेवाराम,, रुपाराणा, नीरू, शिमला, ओ पी सिहमार, पार्वती तनेजा, ने की। संचालन बिजनेश राणा, जरासो ने किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुऐ, सीटू जिला प्रधान सतपाल सैनी, ओ पी माटा, कामरेड जगमाल सिह, ने बताया कि केन्द्र सरकार व राज्य सरकार मागो को तुरन्त लागू करे। इस मौके पर धीरज सिह रावत, कृपाल सिह, सतपाल सैनी, ओ पी माटा, मनोजकुमार, बिजनेश राणा, रूपाराणा, कविता, नीरू, सुदेश, सन्तोष, अनीता, कामरेड जगमाल,, जगपाल राणा, सेवा राम, जरासो, रमेश, शीशपाल, राजबीर, कृष्ण ,निर्माण, अशोक, ओ.पी सिहमार व बलराज सिंह ने संबोधित किया।

अकाल तख्त पर हुआ घटनाक्रम से पंथ की गरिमा को भारी नुक्सान : सुरेंद्र पाल

सुरेंद्र पाल सिंह ने शिरोमणि अकाली दल से नाता तोड़ा

- कहा : मीत प्रधान रघुजीत सिंह विर्क पंथ के विभाजन के लिए जिम्मेदार
- बादल परिवार से एसजीपीसी और शिरोमणि अकाली दल को मुक्त कराने के लिए अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

शिरोमणि अकाली दल हरियाणा के कद्दावर नेता सुरेंद्र पाल सिंह रामगढ़िया ने आज शिरोमणि अकाली दल को अलविदा कह दिया। उन्होंने कहा कि 1920 में जिस शिरोमणि अकाली दल को सिख पंथ के लिए बनाया था। आज इस दल को एक परिवार की जागीर बना दिया। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल ने श्री अकाल तख्त और सिख मर्यादा को क्षति पहुंचाया हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से शिरामणि अकाली दल के एक परिवार को फायदा पहुंचाने के लिए एसजीपीसी ने अकाल तयत के दो साहिवान को हटाया गया हैं। उन्होंने बताया कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अकाली दल की बी टीम बन कर रह गई हैं। उन्होंने कहा कि आज सिख पंथ के लिए दुख्रद पल हैं। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल एक पंजाबी पार्टी बन कर रह गई हैं। वह आज पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान शिरोमणि गुरुद्वारा पूंरबंधक कमेटी के मीत प्रधान रघुजीत सिंह विर्क के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए । उन्होंने कहा कि अकाल तख्त के जिन जिन दो सिंह साहेवानों को हटाया हैं। उनके द्वारा लगाए आरोपों की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल की वदहाली और कौम के विभाजन के लिए एसजीपीसी के मीत प्रधान जत्थेदार रघुजीत सिंह विर्क जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यक्ति ने पंथ का बेड़ा गर्क किया हैं। उन्होंने कहा कि हटाए गए सिंह साहेवानों ने मीत प्रधान विर्क पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एसजीपीसी के मीत प्रधान रघुजीत सिंह विर्क बादल परिवार की वफादारी की खातिर एसजीपीसी का दुरप्रयोग किया हैं। उन्होंने कहा कि वह शिरोमणि अकाली दल के साथ 1996 से जुडे थे।

जेसीआई करनाल गोल्ड के 'उड़ान' कार्यक्रम में महिलाओं में दिखा भारी उत्साह

कार रैली निकाल कर आत्मनिर्भरता का परिचय दिया

- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किया गया कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

जेसीआई करनाल गोल्ड की ओर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 'उड़ान 2025' हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम करनाल क्लब में हुआ, जिसमें संस्था की सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में शहर से महिलाएं पहुंची। सबसे पहले महिलाओं ने कार रैली निकाल कर आत्मनिर्भरता का परिचय दिया। कार्यक्रम महिला विंग की चेयरपर्सन जेसीरिट सिम्मी बंसल की देखरेख में हुआ। प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर की भूमिका जेसीरिट तपस्या पवार ने अदा की। मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद नीना अहलावत ने शिरकत की।

संस्था के मीडिया प्रभारी अनीश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए डिफेंस ट्रेनिंग सत्र लगाया गया। इसके बाद मेंटल हेल्थ को लेकर ज्ञानवर्धन करने के लिए सत्र लगाया गया, जिसमें प्रसिद्ध डॉक्टरों ने मानसिक स्वास्थ्य और संतुलित जीवन पर टिप्स दिए। तीसरे सत्र में प्रभावी बोलने की कला, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को निखारने पर चर्चा हुई। चौथे सत्र में आत्म-देखभाल और सुंदरता संबंधी टिप्स दिए गए। इस दौरान समाज में विशिष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिनमें संगीता डबास, ईशा बंसल, चारू नागपाल, डा. कीर्ति गुप्ता, नीलू सिंह, आशिमा चावला, आशिमा गोयल व रचना तलवार शामिल रहीं। इस मौके पर महिला विंग की चेयरपर्सन जेसीरिट सिम्मी बंसल ने कहा कि परिवार, समाज और देश के विकास में महिलाओं का बहुमूल्य योगदान रहा है। प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर जेसीरिट तपस्या पवार ने कहा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के अवसर पर पहुंची सभी महिलाओं का वह आभार प्रकट करती हैं। कार्यक्रम में प्रधान जेसी प्रमोद बंसल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी।

भजन गायकों ने तेरा साथ है तो क्या फिकर से किया सराबोर

सुंदर भजनों को सुन भक्त हुए भावविभोर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

श्री श्याम सलोना कीर्तन मंडल की ओर से श्री श्याम फाल्गुण महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। श्री खाटू श्याम मंदिर पुरानी अनाजमंडी में श्याम बाबा का आकर्षक श्रृंगार किया गया है। महोत्सव का आयोजन 10 मार्च तक चलेगा। संकीर्तन का समय शाम छह बजे से रात्रि 10.30 बजे तक रखा गया है। करनाल और हरियाणा के साथ-साथ अन्य राज्यों से भजन गायकों को फाल्गुण महोत्सव में आमंत्रित किया गया है। मंदिर को भव्य रूप में सजाया गया। सुभाष सांवरियव दिशा वधवा ने अपने भजनो से श्याम बाबा को रिझाया। भजन गायकों ने तेरा साथ है तो मुझको क्या फिकर है..., काम तो श्याम ही आएंगे... तथा आपकी शरण में आकर मशहूर हो गया भजन गाए तो श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। गायकों ने राम नाम की महिमा का जिक्र भी किया और बाला जी महाराज के भजन भी गाए। संकीर्तन के दौरान श्याम बाबा को 56 भोग लगाए गए। श्याम प्रेमी श्रद्धा अनुसार अपने घरों से व्यंजन बनाकर श्याम बाबा को भोग लगाने के लिए पहुंचे। यजमानों और अतिथियों के रूप में पूर्व ओएसडी संजय बठला, श्री कृष्ण गऊशाला करनाल और श्री श्याम परिवार करनाल के प्रतिनिधि पंकज गोयल, सुनील गुप्ता,घनश्याम गुप्ता, पुनीत मित्तल, संजय बंसल, राम कुमार गुप्ता, अरूण गुप्ता, सचिन गर्ग आदि रहे।

करनाल। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक-शिक्षिकाएं। फोटो : हरिभूमि

दहेज ना लेने वाले राजपूतों को सम्मानित करेगी सभा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

सेक्टर 8 स्थित महाराणा प्रताप स्मृति भवन में राजपूत सभा की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निर्णय लिया गया की 16 मार्च सुबह 10 बजे राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं, उत्कृष्ट खिलाडिय़ों और बिना दहेज के शादी करने वाले परिवारों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता राजपूत सभा के प्रधान डॉ नरेंद्र प्रताप सिंह ने की। महासचिव बृजपाल राणा, उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह नंबरदार, कोषाध्यक्ष अजमेर सिंह पंवार, प्रदीप सिंह पधाना, गुरदीप सिंह बीजना, बिशपाल राणा, दीपक राणा, भूप सिंह कतलाहेडी, तेजपाल सिंह चौहान, प्रवीण सिंह चौहान, रामपाल सिंह गौरव मैनेजर अरड़ाना,दीपक मैनेजर सहित सभा के पदाधिकारियो ने अपने विचार रखें। प्रधान डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह महासचिव बृजपाल राणा, उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह नंबरदार ने बताया कि वर्ष 2022 से 2024 तक के ऐसे छात्र जिनका नीट, जेईई, क्लैट, एनडीए, बी आर्च तथा उनके समकक्ष परीक्षा पास की और सरकारी कॉलेज या यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया वह इन्हीं के समकक्ष पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेज में दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। उत्कृष्ट खिलाडिय़ों को भी सम्मानित किया जाएगा जो मान्यता प्राप्त किसी भी खेल प्रतियोगिता में करनाल जिले में प्रथम, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे हैं।

करनाल। बैठक करते राजपूत सभा के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा के क्षेत्र में एक शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका

करनाल। सीबीएसई की ओर से क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन वीयूएमएम जैन पब्लिक स्कूल में किया गया। प्रमुख तौर पर ज्योति भगत और इशु शर्मा ने अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया। स्कूल प्रधानाचार्य तनुजा सचदेवा ने ज्योति भगत और इशु शर्मा का स्वागत किया। ज्योति भगत ने क्लास मैनेजमेंट के बारे में बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में एक शिक्षक की ही सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। प्रभावी क्लास मैनेजमेंट केवल कक्षा में अनुशासन बनाए रखने तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें छात्रों के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण तैयार करना भी शामिल है। एक सुव्यवस्थित कक्षा में छात्र सीखने के लिए प्रति अधिक रुचि दिखाते हैं और उनका शैक्षिक विकास प्रभावित रूप से होता है। प्रशिक्षण का उद्देश्य कक्षा में अनुशासन बनाए रखना शिक्षण की प्रक्रिया को सरल और रुचिकर बनाना छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करना पाठ्यक्रम को निर्धारित समय में पूरा करना छात्रों को नैतिकता और सामाजिक मूल्यों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन करके किया गया। ज्योति भगत ने प्रभावी क्लास मैनेजमेंट की कुछ रणनीति भी बताई जैसे शिक्षक को कक्षा में अनुशासन बनाए रखने के लिए कुछ स्पष्ट नियम बनाने चाहिए और सभी छात्रों को उनसे अवगत कराना चाहिए। कक्षा में सहयोगात्मक माहौल बनाए रखना चाहिए। इशु शर्मा ने कहा कि शिक्षकों को व्याख्यान तक सीमित न रहकर छात्रों को चर्चाओं गतिविधियों और प्रयोगों के माध्यम से पढना चाहिए। कार्यक्रम में कई विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं उप प्रधानाचार्य सागर रत्न, गुरप्रीत कौर योगेश शर्मा, सीमा रमन, पलविंदर कौर, प्रोमिला, विजय भारती, विशाल आदि मौजूद रहे। अंत में प्रधानाचार्य तनुजा सचदेवा ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद किया।

सम्मान समारोह में साहित्य की महक से महका वातावरण

दयाल सिंह कॉलेज में गूंजे काव्य के सुर, देशभर के कवियों ने शानदार कविताओं से किया मंत्रमुग्ध

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दिखी महिला सम्मान की झलक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दयाल सिंह कॉलेज, करनाल द्वारा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (उर्दू प्रकोष्ठ) के सहयोग से एक भव्य कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देशभर से पधारे ख्याति प्राप्त कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन ने कविता की शक्ति, उसकी सामाजिक प्रासंगिकता एवं साहित्य की प्रभावशीलता को नए आयाम दिए। उद्घाटन समारोह में अतिथियों का भव्य स्वागत। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। कॉलेज प्राचार्या डॉ. आशिमा गक्खड़ एवं प्राध्यापकों ने मुख्य अतिथि वरिष्ठ रंगकर्मी एवं साहित्यकार रेशमा कल्याण मीरा सहित अन्य अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कविता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कविता केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने, भावनाओं को अभिव्यक्त करने और सौंदर्यबोध को जागृत करने का सशक्त माध्यम है। मुख्य अतिथि, वरिष्ठ रंगकर्मी रेशमा कल्याण मीरा ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि साहित्य और संस्कृति समाज का दर्पण होते हैं, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहित्यकारों और कलाकारों को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में साहित्यिक और सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत करते हैं।

नारी सम्मान में पढ़ी सुंदर पंक्तियां

चूल्हे की आँच में जलती रही,
फिर भी उजालों की आस रही,
अपनों के सपनों में ढलती रही,
खुद के लिए न कोई सांस रही।
(गृहणी) धरती सी कोमल, मगर
बंजर बनी, उम्मीदों के बीज भी
सूख गए,
स्नेह की बारिश को तरसती
रही...

चरणजीत चरण ने छंदों से प्रभावित किया

यकीं था हम जवानी में मिलेंगे,
न सोचा था कहानी में मिलेंगे।
कभी मन हो तो मिलने
आइएगा,
तुम्हें हम राजधानी में मिलेंगे।
ने सभी को भाव-विभोर कर
दिया।

खबर संक्षेप

भाषण प्रतियोगिता में नर्गिस प्रथम

पानीपत। नेहरू युवा केंद्र भारत पानीपत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शनिवार को मॉडल टाऊन में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में नर्गिस ने प्रथम, निहारिका ने द्वितीय व सिमरन ने तीसरा स्थान प्राप्त किय। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सारथी कुमार, राज्य वीरता पुरस्कार विजेता व तरुण लाहोट, कार्यकारी निर्देशक, क्यू.पी.ए ने प्रतिभागियों का हौंसला बढाया और पुरस्कृत किया।

अवैध खनन पर प्रशासन सख्त

पानीपत। खनन एवं भू भाग हरियाणा के महानिदेशक एमके पांडूरंग के निर्देश व जिला उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया के कुशल मार्गदर्शन में अवैध खनन को रोकने के लिए विभाग ने अवैध खनन करने वालों पर शिकंजा कसना प्रारंभ कर दिया है। वहीं, जिला खनन अधिकारी निरंजन सिंह ने बताया कि शनिवार के दिन समालखा बापौली व जीटी रोड पर वाहनों की चेकिंग का कार्य किया गया।

यूथ रेडक्रास प्रशिक्षण शिविर का समापन

पानीपत। रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आर्य पीजी कॉलेज में पांच दिवसीय यूथ रेडक्रास प्रशिक्षण शिविर के समापन सामारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय रेडकास सोसाइटी के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल रहे। वहीं, कार्यक्रम में दिनेश कुमार को बेस्ट मेल कांउसलर व अंजू शर्मा को बैस्ट महिला काउंसलर को चुना गया। रेडक्रॉस सचिव गौरव राम करण ने बताया कि संस्था की गतिविधियों से प्रभावित होकर 14 प्रतिभागियों जिसमें पूनम देवी, अंजू शर्मा, अमित कुमार, किरण देवी, उषा, खुशबू, डा पंकज चैधरी, खुशी वर्मा, रेणू, सोनिया शर्मा, सुदेश ने रेडक्रास की आजीवन सदस्यता प्राप्त की।

महिला को जीवन ज्ञापन के लिए सिलाई मशीन दी

पानीपत। अग्र नारी शक्ति द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जरूरतमंद महिला को जीवन ज्ञापन के लिए सिलाई मशीन भेंट की। इस अवसर पर उर्वशी गोयल, गीता बंसल, डा.अर्चना गुप्ता, सुनीता गोयल, शिवा गोयल, उर्वशी गोयल, सरिता गोयल, कविता गोयल, राजबाला गुप्ता, गीता बंसल आदि उपस्थित रहे।

निर्मला अहलावत फिर बनी प्रधान

पानीपत। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मिड डे मील वर्कर्स यूनियन जिला कमेटी संबंधित सीटू का चौथा जिला सम्मेलन सीटू जिला कार्यालय गीता कॉलोनी में संपन्न हुआ। वहीं यूनियन के चुनाव हुए। सर्वसम्मती से निर्मला अहलावत को जिला प्रधान, जिला सचिव कविता, कोषाध्यक्ष नवीन सपरा, उप प्रधान पतासो, कमलेश, सह सचिव सुनीता, रितु, कमेटी सदस्य पूजा, रीटा, सीमा, रेखा व पुष्पा को चुना गया।

छात्राओं ने होली पर्व मनाया

पानीपत। चौधरी देवीलाल कन्या महाविद्यालय सिवाह में वुमन सैल द्वारा होली उत्सव मनाया गया। वहीं प्रोफ़ेसर उर्मिला ने होली पर्व की जानकारी दी। महिला दिवस के अवसर पर प्रोफ़ेसर पूनम कादियान ने सभी स्टाफ़ मेंबर व छात्राओं को महिला दिवस की बधाई दी और समाज में महिलाओं की भूमिका, संघर्ष और सफलता को दर्शाता है। इसी प्रकार सभी स्टाफ़ मेंबर्स ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ होली मनाई।

महिलाओं को किया गया सम्मानित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ वीरेंद्र पाल सिंह ने स्कूल की शिक्षिकाओं व गैर शिक्षक कर्मचारी को सम्मानित किया। स्कूल परिसर में पहुंचने पर स्कूल की वाइस चेयरपर्सन प्रो सुनीता दलाल व स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. सुखविंद्र सिंह ने उनका स्वागत किया।

आर्य बाल भारती स्कूल में महिला दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

नारी शिक्षा को लगातार बढ़ावा दे रहा आर्य समाज

- उत्कृष्ट सेवा करने वाली महिलाएं सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल के सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बाल संरक्षण अधिकारी पानीपत निधि गुप्ता और जिला शिक्षा अधिकारी पानीपत राकेश बूरा रहे। अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर आर्य बाल भारती स्कूल के प्रधान रणदीप कादियान और शिक्षाविद कुंजल प्रतिष्ठा शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोषाध्यक्ष महताब मलिक और ऑफिसर एसोसिएशन प्रधान सुमेर सिंह ने की।

वहीं, आर्य बाल भारती स्कूल के प्रधान रणदीप कादियान ने बताया कि स्वामी दयानंद ने नारी उत्थान के लिए जो कार्य किए हैं वो हमेशा स्मरणीय रहेंगे।

आर्य समाज लगातार नारी शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। कार्यकम में सेवानिवृत डिप्टी डीइओ अनिता डागर, एसडीवीएम प्राचार्य डॉ. शिवानी कंदौला, प्राध्यापिका पिनाज, नवदीप कौर, राजेश रानी ने अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर रश्मि, जिला कॉर्डिनेटर ललित कला प्राध्यापक प्रदीप मलिक, सुमेर सिंह, महेंद्र दीक्षित, अश्वनी कुमार, मीनू चौधरी, सुमन मोर, दुर्गा देवी, सरला मलिक, मीनाक्षी शर्मा, बिंदिया रानी, सुरेखा रानी, रुबीला, ज्योति चोपड़ा, सुदेश मलिक, सुमन, मधु बाला, कमलेश रानी, मोनिका चहल, सुमन दीक्षित, संगीता कुंडू, नवदीप कौर, मीनू आदि मौजूद रहे।

पानीपत। आर्य बाल भारती स्कूल के प्रधान रणदीप आर्य के साथ अन्य अतिथि व सम्मानित शिक्षाविद्। फोटो :हरिभूमि

ये हुई सम्मानित

एसडीवीएम सिटी प्राचार्य डॉ. शिवानी कंदौला, कन्या स्कूल खानपुर कलां प्राचार्या सुमित सिंह, सुषमा, रेनु, पिनाज, सरिता दहिया, रेनु दुआ, डॉ शिल्पा रानी, रेखा मान, राजेश रानी मोनिका कटारिया, शोभा आर्य, आदित्या आर्टिस्ट को मंच के माध्यम से नारी शक्ति सम्मान से नवाजा गया।

शिक्षित महिला विकास में दे सकती है योगदान

कुरुक्षेत्र। जिला परिषद की चेयरमैन कंवलजीत कौर ने कहा कि शिक्षित और स्वस्थ महिला ही देश के विकास में अपना योगदान दे सकती है। इस विषय को फोकस रखते हुए प्रदेश सरकार ने हर 20 किलोमीटर के दायरे में महिला राजकीय कॉलेज खोलने का काम किया। इसके साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से गांव स्तर पर शिविर लगाए जा रहे है। जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर शनिवार को जिला परिषद की तरफ से गांव दयालपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बोल रही थी। इससे पहले जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर, विशिष्टद्ध अतिथि एवं भाजपा नेत्री सुंगधा सुधा, जिप की पूर्व उपाध्यक्ष परमजीत कौर कश्यप, सरपंच सीमा देवी, भाजपा नेत्री अन्नु माल्यान ने दीप शिखा प्रज्ज्वलित करके विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अध्यापिकाएं सम्मानित

- !महिला अध्यापिका बच्चों को अच्छे संस्कार देकर देश का भविष्य तैयार कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के गांव जलालपुर प्रथम के सत्यम पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और भाषणों के माध्यम से महिला की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस दौरान स्कूल निर्देशिका पूजा शर्मा ने स्कूल की महिला अध्यापिका रेखा भाटिया, रेनु बाला, अन्नू भाटिया, प्रियंका लाकड़ा, बीना रावल, सोनिया शर्मा, स्वीटी रावल, काजल, तमन्ना शर्मा, क्षमा , शालू, काजल आदि को सम्मानित किया। स्कूल निर्देशिका पूजा शर्मा ने कहा कि महिला अध्यापिका बच्चों को अच्छे संस्कार देकर देश का भविष्य तैयार कर रही है।

चुनाव कराने को पोलिंग पार्टियां कीट लेकर मतदान केंद्रों पर पहुंची

पानीपत। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया ने निगम पार्षद व मेयर के नौ मार्च रविवार को होने वाले चुनाव की तैयारी को लेकर शनिवार को आर्य पीजी कॉलेज के मैदान में सेक्टर ऑफिसर, जोनल मजिस्ट्रेट, प्रीजाईडिंग ऑफिसर, अल्टरनेट प्रीजाई डिंग ऑफिसर व पोलिंग पार्टी के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि निगम व मेयर के चुनाव में सभी ने जज्बे व मानसिक रूप से तैयार होकर ड्यूटी निभानी है। चुनाव को शांतिपूर्ण, पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न करवाना है। चुनाव कराने को पोलिंग पार्टियां कीट लेकर मतदान केंद्रों पर पहुंची।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 34079 केसों का निपटारा किया

- पानीपत में कुल 35735 मुकदमों को लिया गया था जिनमें से 31563 मुकदमों को केवल पानीपत में लोक अदालत में पारंपरिक रूप से निपटाया गय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। न्यायमूर्ति लिसा गिल, न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और सुदेश कुमार शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पानीपत के कुशल मार्गदर्शन में सेशन डिवीजन, पानीपत में शनिवार को अधिनिर्णय की पूरी प्रक्रिया न्यायाधीशों, वकीलों, वादियों, बीमा कंपनियों और बैंक प्रतिनिधियों के बीच न्यायालय में निजी रूप से आकर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

वहीं, मीनू , मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण पानीपत ने बताया कि लोक अदालत विवादों के निपटान के प्रभावी तरीकों में से एक है।

उन्होंने बताया कि पानीपत में कुल 35735 मुकदमों को लिया गया था जिनमें से 31563 मुकदमों को केवल पानीपत में लोक अदालत में पारंपरिक रूप से निपटाया गया। लोक अदालत में निपटान की राशि 9,25,52,335/- रुपये थी। इसके अलावा समालखा सब डिवीज़न में 2516 मुकदमो का निपटारा किया गया। जो कुल मिलाकर पानीपत जिले में 34079 मुकदमों का निपटारा किया गया

पानीपत। अदालत में मुकदमों की सुनवाई करते हुए न्यायधीशगण। फोटो :हरिभूमि

कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केंद्र में महिला दिवस का आयोजन

कुरुक्षेत्र। कुरूक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल, कुरक्षेत्र की प्रधानाचार्या डॉ गीतिका जसुजा मुख्य अतिथि थी। उन्होंने सर्वप्रथम भारत की दो प्रमुख महिला वैज्ञानिको डॉ आशिमा चटर्जी एवं ई के जानकी अम्मल की प्रतिमाओं का अनावरण किया।

उन्होंने कहा कि आजादी से पहले डॉ आशिमा चटर्जी एवं ई के जानकी अम्मल ने विषम परिस्थितियों में अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का बोध करवाया तथा आज के युग में महिलाएं पुरुषों को बराबर की टक्कर दे रही हैं।

जरूरमंद महिला व बच्चों की शिक्षा में मदद को उठे हाथ

- चेतना परिवार ने व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रशिक्षण सर्टिफिकेट बांटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

चेतना पुरस्कार वितरण समारोह चेतना परिवार महिलाओं को छह माह का व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें महिलाओं को सिलाई, पार्लर और कम्प्यूटर का प्रशिक्षण प्रदान करता है।

इसके साथ महिलाओं को प्रशिक्षण के अंत में प्रशिक्षण सर्टिफ़िकेट प्रदान किया जाता है। इसका आयोजन पाइट संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनएफएल हुआ। कार्यक्रम में डॉ. गीता गुप्ता, पाइट के चेयरमैन हरिओम तायल, नीरू गुगलानी, अंजु गेरा, इन्नर व्हील पानीपत साउथ की अध्यक्षा ज्योति तायल, श्वेता तायल, रश्मि ग्रोवर, मोना बतरा ने भाग लिया। जबकि निर्मल दत्त ने परिवार की प्रगति की जानकारी व अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व की जानकारी दी।

चेतना परिवार की महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया और सभी का आभार जताया। वहीं, डॉ. गीता ने कहा कि उनके अस्पताल के दरवाज़े चेतना परिवार की महिलाओं के लिए सदा खुले रहेंगे वे सभी महिलाओं का इलाज मुफ्त में करेंगी और महिला व बच्चों के शिक्षित होने में हरसंभव सहयोग करेगी। हरिओम तायल ने कहा कि चेतना परिवार के शिक्षण कार्य को आगे बढाने में वे हर संभव सहयोग देंगे।

चेतना परिवार के कार्यक्रम में अतिथियों के साथ नारी शक्ति।

पाइट में नेशनल मेस्ट्रोज उत्सव की धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| समालखा

मशहूर हरियाणवी गायिका शिवा चौधरी ने जब गीत गाया मैं तन्ने सूं प्यारी, तू प्यारा मेरा, उनके साथ हजारों युवा नाच उठे। मैं तेरी गिरी, तू छुआरा मेरा...की आगे की लाइनें युवाओं ने पूरी कीं। जी तो मेरा इसा करे, हाय जनू काच्चे ने खा लू तन्ने। गीत दर गीत सभी निशा चौधरी के साथ झूमते गए।

नंगड़ा के ब्याह दी, सोने की तागड़, पंजे नीचे सवा लाख जैसे उत्सवी गानों ने शाम को और मधुर बना दिया। अवसर था पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में नेशनल मेस्ट्रोज उत्सव का। समारोह में पानीपत के एसडीएम ब्रह्म प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। कार्यकम्र में पाइट के वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने बताया कि गीतों की शाम से पूर्व मेस्ट्रोज में विभिन्न प्रतिस्पधाएं हुईं।

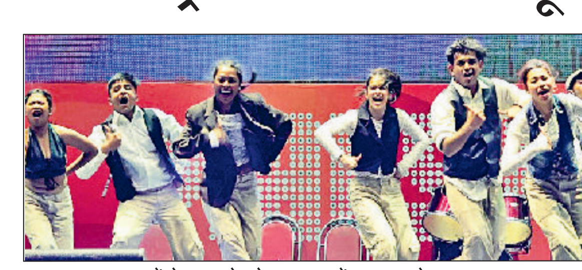
समालखा। पाइट में नेशनल मेस्ट्रोज उत्सव में नृत्य करते कलाकार।

ये रहे परिणाम

एकल गायन में जीवीएम की कृति प्रथम, पाइट की इशिका द्वितीय और नेकीराम कॉलेज के गौरव तीसरे, युगल गायन में पाइट के गर्व और जीवीएम की वंशिका प्रथम, पोएट्री में एमडीयू से कीर्ति प्रथम, जेवीएम कॉलेज से काजल द्वितीय और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से जगमीत तीसरे, बैटल ऑफ बैंड में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का रॉग बैंड विजेता रहे।

बेटा-बेटी एक समान, एक पौधा बेटी के नाम अभियान शुरू

- राजकीय कॉलेज में 81 छात्राओं ने फलदार पौधे रोपे, मेधावी छात्राओं को मिला माता रोशनी गौरव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय पानीपत में 'बेटा-बेटी एक समान – एक पौधा बेटी के नाम' अभियान का शुभारंभ ग्रीनमैन प्रोफेसर दलजीत कुमार ने किया। वहीं, इको क्लब के अध्यक्ष ग्रीनमैन प्रो दलजीत ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में बनाए जा रहे ऑक्सीजन बाग में 'बेटा-बेटी एक समान – एक पौधा बेटी के नाम' अभियान की शुरुआत करते हुए 81 लड़कियों व महिलाओं ने आडू, नाशपाती, बबुगोसा, निम्बू, माल्टा, मौसमी, किन्नू, अमरूद, अंजीर के पौधे रोपित किए। इस अभियान का उद्देश्य समाज में बेटियों को समान अवसर देना और पर्यावरण बचाने के प्रति जागरूकता फैलाना है। आज बेटियों के हाथों से लगाए गए ये पौधे भविष्य में जीवनदायिनी बनेंगे। वृक्ष मित्र समूह हरियाणा के अध्यक्ष ग्रीनमैन प्रो दलजीत ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कॉलेज की उन छह छात्राओं मीना, शिखा, रेनु, शिवानी, खुशबू, प्रिया को माता रोशनी गौरव पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया। पढ़ाई और पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही, एमए इतिहास में विश्वविद्यालय टॉप करने वाली छात्राओं मीना और शिवानी को इतिहास विषय के लिए नेट परीक्षा की तैयारी के लिए पुस्तकें उपहार स्वरूप प्रदान की गईं, ताकि वे उच्च शिक्षा में आगे बढ़ सकें। कॉलेज की उपप्राचार्या डॉ. रितु नेहरा ने छात्राओं से मेहनत के साथ शिक्षित होकर देश, समाज व मानवता की सेवा करनी की अपील की। इस अवसर पर प्रो. सोनिया, प्रो. पूजा रानी, डॉ. ज्योति, डॉ. तकदीर सिंह, अनिल, शुगर मील पानीपत से विजेंद्र मलिक, संदीप कल्याणी सहित 150 से अधिक विद्यार्थियों ने पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

राजकीय कॉलेज में ग्रीनमैन प्रो दलजीत के साथ पौधे रोपती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

पानीपत में मेयर व पार्षद पदों का चुनाव निष्पक्ष होगे

पानीपत। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिया, पोलिंग पार्टियों को संबोधित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ वीरेंद्र दहिया ने निगम पार्षद व मेयर के नौ मार्च रविवार को होने वाले चुनाव की तैयारी को लेकर शनिवार को आर्य पीजी कॉलेज के मैदान में सेक्टर ऑफिसर, जोनल मजिस्ट्रेट, प्रीजाईडिंग ऑफिसर, अल्टरनेट प्रीजाई डिंग ऑफिसर व पोलिंग पार्टी के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि निगम व मेयर के चुनाव में सभी ने जज्बे व मानसिक रूप से तैयार होकर ड्यूटी निभानी है। चुनाव को शांतिपूर्ण, पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न करवाना है। अधिकारियों को चुनाव में किसी भी तरह की परेशानी ना इसको लेकर मुकम्मल इंतजाम किए गए है।

पुलिस का कड़ा पहरा रहेगा

पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने कहा कि हर बूथ पर पुलिस टीम नियुक्त रहेगी। सभी को अपनी ड्यूटी को लेकर किसी भी तरह की कोताही नहीं बरतनी है। चुनाव को शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से करना है। उन्होंने 26 के 26 वार्डों पर होने वाले निगम व मेयर के चुनाव को लेकर पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

411038 वोटर करेंगे वोटिंग करेंगे वोटिंग

हरियाण चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने शनिवार को निगम के चुनाव की तैयारी का जायजा लिया व अधिकारियों के साथ निगम पार्षद व मेयर के चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं मेयर व पार्षद पदों के लिए 411038 मतदाता अपने मतों का प्रयोग करेंगे। इनमें 1 लाख 92164 महिला मतदाता व 2 लाख 18861 पुरुष मतदाता व 13 ट्रांसजेंडर मतदाता भी है। वहीं, 365 पोलिंग बूथ बनाए गए है। इनमें 40 बूथ सेंसिटिव, 14 हाइपर सेंसेटिव है।

सम्मान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे

मुख्यमंत्री सैनी ने डीएसपीएस की प्रधानाचार्या डॉ. विनीता तोमर को सम्मानित किया

- यह सम्मान डॉ. विनीता तोमर को उनकी सामाजिक व शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दयाल सिंह पब्लिक स्कूल पानीपत की प्रधानाचार्या डॉक्टर विनीता कुमार तोमर को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पंचकूला में सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित करवाया गया था। इस राज्य स्तरीय पुरस्कार में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सीएम सैनी ने यह सम्मान डॉ. विनीता तोमर को उनकी सामाजिक व शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दिया।

स्मरणीय है कि डॉ. विनीता तोमर प्रधानाचार्या होने के साथ-साथ एक कुशल समाज सेविका भी हैं जो समाज की निर्धन महिलाओं व बच्चों के उत्थान और पर्यावरण संरक्षण आदि कार्यक्रमों से लंबे समय से जुड़ी हुई है। वे पिछले कई वर्षों से नारी तू नारायणी संस्था से जुड़ी हुई है जिसमें शिक्षित बेटी सुरक्षित बेटी अभियान के अंतर्गत उन्होंने अपना पूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ-साथ नशा मुक्ति अभियान सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरुक करते हुए विभिन्न अभियानों में भाग लिया। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंदर कल्याण, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री श्रुति चौधरी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती राव आदि उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री नसीब सैनी, दयाल सिंह पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. विनीता को सम्मानित करते हुए।

खबर संक्षेप

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज जान से मारने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ लेफ्टी को गिरफ्तार किया है। अब आरोपी को पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। काजीवाड़ा के निखिल ने 13 जुलाई 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि घास मंडी के पास आरोपी अभिषेक उर्फ कालिया व अन्य ने हथियारों द्वारा उसे जान से मारने का प्रयास किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

कबूतरबाजी का आरोपी जांच में शामिल

अंबाला। थाना सेक्टर-9 में दर्ज कबूतरबाजी के मामले में पुलिस ने आरोपी गौरव को शामिल जांच किया है। परिवादी हरजीत सिंह ने 31 जुलाई 2024 शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी गौरव व अन्य ने उसके पुत्र को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

नाट्स प्रस्तुति का किया आयोजन

अंबाला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीएमएन कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा गांव रौलों के आंगनबाड़ी केंद्र में 'महिला सशक्तिकरण/" विषय पर एक नाट्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गांव के लोगों को महिलाओं के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और समाज में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर कॉलेज की सहायक प्रोफेसर ज्योति कुमारी और सीमा रानी के नेतृत्व में बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने भाग लिया। इन छात्रों ने गांव के लोगों के सामने एक नाट्य प्रस्तुति (स्किट) प्रस्तुत की।

निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया

अंबाला। पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिक्षकों के लिए निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में अध्यापकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर कई प्रकार के टेस्ट टीएसएच परीक्षण, लिपिड प्रोफ़ाइल, लिवर फ़ंक्शन, किडनी, शुगर, एचबी, आयरन का परीक्षण किया गया।

विधाओं की विस्तार से दी जानकारी

अंबाला। अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में इंग्लिश डिपार्टमेंट की तरफ से चल रही 6 दिवसीय वर्कशॉप का आज समापन हो गया। इंग्लिश राइटिंग स्किल पर हुई इस वर्कशॉप के अंतिम दिन प्रो. डॉ सोनिका सेठी ने छात्रों को क्रिएटिव राइटिंग, स्टोरी टेलिंग व अन्य विधाओं के बारे में विस्तार से बताया।

हर क्षेत्र में महिलाएं निभा रही हैं अहम भूमिका

बराड़ा। डीएवी पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। विद्यालय की प्राचार्या सुनीता कपूर के नेतृत्व में एक टीम गांव सिंबला पहुंची। यहां टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में सशक्त महिलाओं से संवाद किया गया। कार्यक्रम में गांव की सरपंच नेहा के सहयोग से एक विशेष आयोजन किया गया।

भारतीय योग संस्थान की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित किया कार्यक्रम

समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने का दिया संदेश

महिलाएं समाज की रीढ़ उनके योगदान के बगैर समृद्धि असंभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ

नारायणगढ। महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते योग साधक।

भारतीय योग संस्थान के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन आहलुवालिया धर्मशाला में किया गया। इस विशेष अवसर पर संस्थान के जॉन प्रधान संजय धीमान ने सभी मातृशक्ति को शुभकामनाएं देते उनके अद्वितीय योगदान की सराहना की। उन्होंने नारी सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ हैं और उनके योगदान के बिना समृद्धि संभव नहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान एवं उनके सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा भी कई प्रकार की योजनाएं शुरू की गई है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना, किशोरी बालिकाओं को पुरस्कार योजना, सर्वश्रेष्ठ माता पुरस्कार योजना तथा महिला शिक्षा को बढावा देने के लिए प्रदेश में महिला महाविद्यालय खोले गये है और ऐसा ही एक राजकीय महिला महाविद्यालय बड़ागढ़ में खोला गया है।कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ के साथ महिला योग साधकों ने भी भाग लिया। साथ ही महिलाओं के सम्मान एवं उत्थान पर अपने विचार व्यक्त किए। संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य, योग और आत्मनिर्भरता पर विशेष चर्चा की गई, जिससे समाज में महिलाओं की भूमिका को और भी सशक्त बनाने का संदेश दिया गया। भारतीय योग संस्थान ने इस आयोजन के माध्यम से नारी शक्ति को नमन किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मौजूद महिला योग साधक एवं अध्यापिका रीटा, अध्यापिका मीनाक्षी वालिया, युवा कनिका अग्रवाल, गृहणी कविता, महिला पुलिस कर्मचारी अंजू सैनी एवं रेखा ने भारतीय योग संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने पर प्रशंसा व्यक्त की।

राज्य सरकार की हर योजना का महिलाओं को मिलेगा लाभ

अंबाला। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गांव कोट कछवा कलां के सरपंच दीपक नागपाल की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी वर्कर रंजना नागपाल के प्रयास से हेल्पर कमलजीत के सहयोग द्वारा सफल कार्यक्रम क आयोजन किया गया। इस दौरान मेंबर पंचायत भावना, रजनी, बलजिंदर भी विशेषतौर पर मौजूद रही। इससे पहले सभी का यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं के बारे में सरपंच दीपक नागपाल ने विस्तारपूर्वक अवगत करवाया। सभी महिलाओं को इन योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलवाने की शपथ भी मौके पर ली गई। इस मौके पर आशा वर्कर रीमा, आंगनबाड़ी वर्कर सुखदीप, सपना, रीना, पिंकी, मीनू, सुनीता, अंजू, रीता, नीलम,राज,आदि महिलाएं मौजूद रही।

रुकावटों को दूर करने को जिम्मेदारी निभाएं

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रतिभागी। *फोटो: हरिभूमि*

- समानता को तेजी से बढ़ाना विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

लार्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजूकेशन में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समानता को तेजी से बढ़ाना विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की गई।

कार्यक्रम का संचालन बी.एड द्वितीय वर्ष की छात्रा कोमल ने किया। कॉलेज की प्राध्यापिका पूजा रानी ने आए मेहमानों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सुषमा शर्मा ने ऑनलाइन माध्यम से शामिल होकर मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रेनू सोहता ने अपने संबोधन में 2025 के अंतरराष्ट्रीय शीर्षक समानता को तेजी से बढ़ाना पर अपने विचार सांझा किए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने, नीतिगत बदलाव लाने और रुकावटों को दूर करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है।

उन्होंने यूनाइटेड नेशन्स के आंकड़ों का हवाला देते बताया कि लैंगिक समानता प्राप्त करने में हम अभी भी 130 वर्ष पीछे हैं। इस अवसर पर गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में सांई एंजेल स्कूल की प्रिंसिपल निवेदिता और अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

महिलाओं के शिक्षित होने से होगी समाज की तरक्की

नारायणगढ़। विजेता छात्रों को सम्मानित करते शिक्षक। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

- कविता पाठ एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

राजकीय महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कविता पाठ एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. अपूर्वा चावला एवं प्रोफेसर रेनू कुमारी के कुशल नेतृत्व में किया गया।विद्यार्थियों ने संबंधित थीम पर आधारित एक से बढक़र एक आकर्षक पेंटिंग को प्रस्तुत किया। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. देवेंद्र ढींगरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल 8 मार्च को महिलाओं को सशक्त बनाने वाले इस दिन को विश्व स्तर पर मानते हैं। महिलाओं का जागरुक व शिक्षित होना बेहद जरुरी है। जब महिलाएं सुरक्षित, शिक्षित और जागरुक होंगी तो समाज में तरक्की होगी। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रोफेसर रेनु कुमारी ने मंच संचालन करते अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व को बताते कहा यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों को उजागर करने, मौजूदा चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बदलाव के लिए समर्थन जुटाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। संयोजिका डॉ. अपूर्वा चावला ने कहा कि यह दिवस हमें महिलाओं द्वारा समाज में दिए गए योगदान, उनके संघर्ष तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियों की याद दिलाता है।

सुपरवाइजर सुजाता सम्मानित

- उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

बराड़ा। अपने प्रशंसा पत्र के साथ सुपरवाइजर सुजाता। *फोटो: हरिभूमि*

महिला एवं बाल विकास विभाग साहा में कार्यरत सुपरवाइजर सुजाता सरोहा को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उनको यह पुरस्कार महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पंचकुला में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अलावा हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रुति चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने मुख्य रूप से शिरक्त की। सुपरवाइजर सुजाता को यह सम्मान वर्ष 2024 - 2025 के दौरान प्रारंभिक बाल्यकाल शिक्षा और देखभाल प्रशिक्षण व सुपरविजन के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और अनुकरणीय योगदान के लिए दिया गया। सुपरवाइजर सुजाता सरोहा के द्वारा वर्ष 2014 से 2017 तक शहजादपुर, 2017 से 2020 तक खंड रायपुररानी और 2020 से अब तक साहा में उत्कृष्ट कार्य किया गया है जिसके चलते उन्हें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के द्वारा सम्मानित किया गया।

कृष्णा दीदी में झलकते थे परमात्मा के सारे गुण

- परिवहन एवं उर्जा मंत्री अनिल विज बोले-कृष्णा दीदी से मिलकर मुझे भी उनके तेज में नहाने का मौका मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। कार्यक्रम में मंचासीन मंत्री अनिल विज व बीके बहनें। *फोटो: हरिभूमि*

उर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा जो परमात्मा के गुण हैं वे राजयोगिनी कृष्णा दीदी में झलकते थे। उन्होंने कहा मुझे भी कृष्णा दीदी से मिलकर उनके गुणों की तेज़ में नहाने का मौका मिला है। मुझे ठंडी हवा का झोंका उनके सानिध्य में मिलता था। दीदी के चेहरे पर हमेशा खुशी होती थी। उन्होंने कहा कि जिसने लोक परलोक का अर्थ जान लिया है ऐसी ख़ुशी उसी के चेहरे पर आ सकती है। मन को साधने वाली ऐसी महान हस्ती थी कृष्णा दीदी। दीदी जैसे ज्ञान के स्त्रोत को हम इस पुण्यदिवस पर हम याद करते हैं। दीदी नारी शक्ति की मिसाल है। मैं अपने दिल की गहराइयों से उन्हें सलाम करता हूं। उन्होंने अपनी सुरत से भगवान की मूर्त दिखाई। जिस प्रकार से चंद्रमा शांति की किरणें सारी धरती पर फ़ैलाता है, उसी प्रकार से यह सभी ब्रह्माकुमारी बहनें भी शांति की शक्ति सब पर फ़ैलाती हैं। विज शनिवार को यहां आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहाकि सारी दुनिया को शांत बनाने के लिए यह बहनें जो प्रयास कर रहे हैं, उससे बहुत जल्द ही शांति का संसार आएगा। कहा जो मैं सबसे बड़ा दान समझता हूं वह है ज्ञान दान, जो ज्ञान दान यह बहनें कर रही है, सबके जीवन को मीठा बनाने के लिए। उन्होंने कहा मैंने माउंटआबू के तेज़ और वहां की शांति की तरंगों का भी एहसास किया है। वहां की तरंगे बहुत ही सकारात्मक और शक्तिशाली है। फरीदकोट से पधारी ब्रहमाकुमारीज़ पंजाब ज़ोन डायरेक्टर राजयोगिनी प्रेम दीदी ने शुभ प्रेरणा देते कहा अपने प्रारंभिक दिनों में समाज तथा लौकिक परिवार से दीदी ने बहुत संघर्ष सहन किया। परमात्मा के प्रति दृढ़ निश्चय से उन्होंने छोटी आयु में ही परमात्मा की बताई हुई युक्तियों को अपनाते स्वयं को बंधन मुक्त किया।

विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण

- पूर्व विधायक पवन सैनी ने बिचपड़ी व कलाल माजरी में कई विकास योजनाओं का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

शहजादपुर। विकास कार्यों का उद्घाटन करते पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने विधानसभा के गांव बिचपड़ी और कलाल माजरी में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जिससे ग्रामीणों को नई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने इस मौके पर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सभी को शुभकामनाएं भी दी। गांव बिचपड़ी में डॉ. पवन सैनी ने नवनिर्मित राजकीय प्राथमिक पाठशाला के भवन का उद्घाटन किया। इस स्कूल के बनने से छोटे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा और उन्हें उच्च शिक्षा की ओर प्रेरित किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, गांव में नवनिर्मित शेड और गलियों का निर्माण कार्य भी पूरा किया गया। गांव की फिरनी से लेकर रघुबीर के घर तक इंटरलॉकिंग गली का निर्माण किया गया, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी। इसी प्रकार, गांव की एक अन्य गली से सुलमान के घर तक इंटरलॉकिंग गली का भी निर्माण कार्य संपन्न हुआ। गांव कलाल माजरी में भी कई विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। सैनी ने यहां जनरल चौपाल की चारदीवारी और टाइल्स टेरेसिंग के कार्य का उद्घाटन किया। चौपाल ग्रामीण समाज के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान होता है जहां सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियां संपन्न होती हैं। इस नए निर्माण से ग्रामीणों को सामूहिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

आभार व्यक्त किया

गांव कलाल माजरी में ही डॉ. पवन सैनी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन का भी लोकार्पण किया। यह भवन ग्रामीणों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान होगा, जहां वे सामाजिक कार्यक्रम और बैठकों का आयोजन कर सकेंगे। इस भवन के निर्माण से सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीणों को सामुदायिक गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध होगा। गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने डॉ. पवन सैनी का भव्य स्वागत किया और उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

14331 केसों का किया निपटारा

- नारायणगढ़ व अंबाला में केसों की सुनवाई के लिए नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। नेशनल लोक अदालत के दौरान केसों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

नेशनल लोक अदालत का शनिवार को आयोजन किया गया। सेशन जज सुश्री कंचन माही की अध्यक्षता में नैशनल लोक अदालत का आयोजन जिला व नारायणगढ़ में किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम प्रवीण ने बताया कि लोक अदालत के मद्देनजर उपयुक्त इंतजाम किए गए थे। इस लोक अदालत में कुल सात बैंच लगाए गए थे जिसमें सभी प्रकार के केस जिसमें मुख्य तौर पर चेक, पारिवारिक वाद, आपराधिक मामले, वाहन मोटर अधिनियम, चालान, फौजदारी, व दीवानी मुकदमें रखे गए। अदालत में कुल 14331 मुकदमों का निपटारा हुआ। मोटर वाहन दुर्घटना के मुकदमों में रूपए 2,03,95,635/- की धनराशि का निपटारा हुआ। प्रवीण ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी के 1070, अपराधिक किस्म के 817, इलेक्ट्रिसिटी के 276, मोटर वाहन दुर्घटना के 50, वैवाहिक किस्म के 74 केसों का निपटारा किया गया। इसी तरह चेक बाउंस के 613 दीवानी किस्म के 442, रेवेन्यू किस्म के 3537 व अन्य किस्म के 7452 केसों का निपटारा हुआ।

काम बाधित होने से ग्रामीण परेशान

- एसडीएम को शिकायत,आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

बराड़ा। एसडीएम कार्यालय में एसडीएम को मांगपत्र देने पहुंचे ग्रामीण।

गांव तलहेड़ी रांगडान गांव के दर्जनों ग्रामीण एसडीएम से मिलने पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप था कि गांव में एएससी समाज के कार्यक्रमों के लिए बनाए जा रहे शैड के निर्माण में गांव के ही कुछ लोग रोड़ा अटका रहे हैं।

इसे बनने नहीं दे रहे हैं। ग्रामीण पूर्णचंद, मामचंद, अमरनाथ, जसमेर चंद, राजकुमार, संजीव कुमार, जसवंत सिंह, रामलाल, अमरीक सिंह, सौरभ, अमरपाल, माया राम, गोलू, विजय, रजत और प्रदीप ने एसडीएम को लिखित शिकायत दी जिसमें उन्होंने कहा कि उनके गांव में एससी समाज के कार्यक्रमों के लिए कोई पर्याप्त जगह नहीं है इसलिए ग्राम पंचायत की तरफ से गुरु रविदास मंदिर के पास शैड का निर्माण कराया जा रहा है। इस शैड के बनने से लोग अपने सुख-दुःख के कार्यक्रम कर सकेंगे लेकिन गांव के ही कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शैड निर्माण के कार्य में बाधा डाल रहे हैं। शिकायत देने आए ग्रामीणों ने कहा कि शरारती तत्व गांव का भाईचारा भी खराब करना चाहते हैं। उन्होंने बताया सरपंच द्वारा गांव में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं लेकिन कुछ लोग इसमें बाधा डाल रहे हैं।

बुग्गी खींच कर चला रहे जींद के तोमर, कर चुका सत्रह जिले कवर

नशे के खिलाफ जागरूकता फैला रहे रविंद्र

- पूरे प्रदेश में संकल्प यात्रा चलाकर नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने का संकल्प
- पूरे प्रदेश में संकल्प यात्रा चलाकर नशा मुक्ति अभियान को

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

यमुनानगर। बुग्गी लेकर पहुंचा रविंद्र तोमर। *फोटो: हरिभूमि*

नशा मुक्त हरियाणा अभियान को लेकर बुग्गी के साथ यात्रा का रहे रविंद्र तोमर देर शाम अंबाला शहर पहुंचे। वह एक बुग्गी को अपने हाथों से खींचकर पूरे प्रदेश की यात्रा पर निकले हैं। उनका मकसद प्रदेश को नशा मुक्त बनाना है। बुग्गी पर बड़े-बड़े पोस्टर लगाकर चल रहे हैं। पोस्टरों से लोग आकर्षित हो रहे हैं। रविंद्र तोमर ने बताया कि इस समय प्रदेश नशे की बुरी तरह गिरफ्त में आ गया है। इसमें सबसे अधिक युवा फंस रहे हैं। युवा देश का भविष्य होता है यदि वह नशे की गिरफ्त में आ जाए तो देश का भविष्य खतरे में है। रविंद्र तोमर अपनी बुग्गी पर नशा छोड़ दूध पीने का नारा लेकर चल रहे हैं। उनका कहना है कि जितने रुपए नशे में लोग खर्च करते हैं उतने का अगर दूध पिए तो उनका शरीर तंदुरुस्त बन जाए।

चाचा के बेटे की नशे के कारण मौत

तोमर ने बताया कि वह जींद से 5 फरवरी को बग्गी के साथ पदयात्रा शुरू की थी। अब तक वह प्रदेश के 17 जिलों को कवर कर चुके हैं। उसने यह भी बताया कि पिछले वर्ष उनके चाचा के बेटे की नशा करने के कारण मौत हो गई थी। जिस वजह से पूरा परिवार टूट गया था। प्रदेश का कोई परिवार इस तरह न टूटे इसके लिए उन्होंने यह संकल्प लिया कि वह पूरे प्रदेश में संकल्प यात्रा चलाकर नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाएंगे।

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा
कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत
डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

लघुकथा
यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगीली चुटकी
उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपत्ति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

रंगबाज दोहे
सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।
मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।
केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।
रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।
सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।
इत्ता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।
शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।
कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से ग्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।
तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।
वर की लर्निंग फेलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।
बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंवराओं पर एक नजर।

आदिवासियों की होली में मोहक लोक-संस्कृति के रंग

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होली थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियों पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

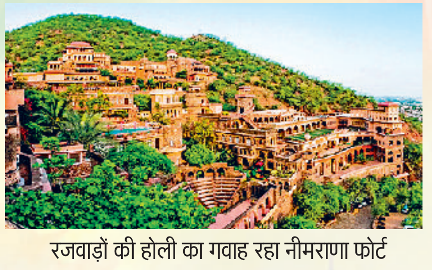

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंस गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेली जाती थी।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुति: शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप मे मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

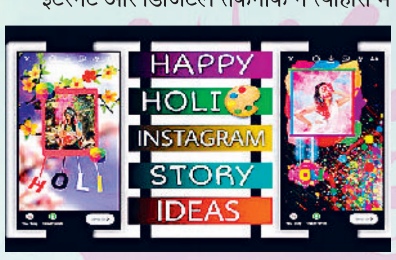

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकरों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *